

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई दिल्ली):**  
पान उनके मुंह में है या आपके कान में?  
(व्यवधान)

**श्री नवल किशोर शर्मा :** श्री वाजपेयी ने मेरी मदद की है, उसके लिए धन्यवाद ।

**सभापति महोदय :** कान पर भी असर पड़ जाता है (व्यवधान)

**श्री नवल किशोर शर्मा :** व्यापारियों और उद्योग मालिकों का भुगतान रुका रहता है और लाखों करोड़ों रुपये के लेन-देन बैंकों में रुके रहते हैं, या फिर व्यापारी या उद्योग मालिक बैंक का कार्य बन्द होने के कारण क्लीयरिंग से वंचित रहते हैं ।

यह भी देखा गया है कि राष्ट्रीयकृत बैंक कर्मचारियों अपने उपभोक्ताओं, व्यापारियों, उद्योग मालिकों की मदद-कदा बेवजह परेशान करते रहते हैं । पंजाब नेशनल बैंक, रांची और पंजाब एंड सिन्ध बैंक, श्रीगंगानगर (राजस्थान) के कर्मचारियों और प्रबन्धकों के बीच विवाद उत्पन्न हो जाने में दोनों स्थानों पर स्थानीय क्लीयरिंग हाउस बन्द है, जिससे वहाँ के स्थानीय व्यापारी तथा उद्योग मालिक अपने भुगतान को न होने से परेशान हैं । श्रीगंगानगर में पिछले दो महीने से क्लीयरिंग हाउस का कार्य बन्द होने के कारण इन व्यापारियों का व्यापार ढांचा ही चरमरा गया है ।

एक और बात कहना चाहूंगा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों के जिन उपभोक्ताओं की मृत्यु हो गई है, उनके उत्तराधिकारियों को उनके खाते में जमा-पूजी निकालने के लिए काफी लम्बे समय तक इन्तजार करना पड़ता है और इन उत्तराधिकारियों को अनेक जटिल प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए बाध्य किया जाता है, जबकि इनका मिलने वाली राशि के बराबर तो कानूनी कार्यवाही में पूरा खर्च हो जाता है ।

मैं विरक्त मन्त्री महोदय से निवेदन करूंगा कि वह इस सम्बन्ध में अविलम्ब ऐसी व्यवस्था करें कि बैंक कर्मचारियों और प्रब-

न्धकों के मध्य किसी भी विवाद के कारण उपभोक्ताओं, व्यापारियों, उद्योग मालिकों का भुगतान न रुका रहे और क्लीयरिंग हाउस अपना कार्य सुचारू रूप से कर सके ।

(v) Recent strike by workers of clearing Agents of Bombay port.

**SHRI M. RAM GOPAL REDDY (Nizamabad):** On account of the recent strike by the workers of the clearing Agents the operations at the Bombay port have come to a complete standstill. Many ships as a result of the strike, had to be turned away and the exporters could not execute their contracts and they were put to a heavy loss and the country also loss valuable foreign exchange. Everybody knows the position in the Bombay port and many vessels have to stay on the high seas for days together and even as long as a month, for want of berths in the port where the loading and unloading operations are going on at a snail's pace. During the strike no goods could be lifted and taken out of the port except on a permit issued by the workers' union. There is heavy congestion in the port. It is common knowledge that many exporters and importers try to avoid Bombay port and have the ships sent to Kandla or Goa. It is high time that the Government realised the gravity of the situation and took proper and firm measures to see such things do not happen in the premier port of the country.

Sir, I request the Government to take firm action.

(vi) Need to provide more facilities for the development of National School of Drama.

**SHRI ATAL BIHARI VAJPAJEE (New Delhi):** The National School of Drama has rendered great service to the cause of Theatre in India.

During its 23 years of existence, in spite of limited resources and several other constraints the school has ad-